



प्रभात



छिपाएंगे नहीं, छपेंगे

facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv

www.subhartimedia.com

लखनऊ, रविवार, 22 मार्च 2020, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 12

उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड से प्रकाशित

पीटरसन ने ट्वीट कर मोदी की तारीफ की

(पेज 11)

प्रभात

उत्तर प्रदेश

रविवार

लखनऊ, 22 मार्च 2020

2

कोरोना वायरस का कहर और 'जनता कर्फ्यू' का महत्व

लखनऊ-प्रभात

चीन के वुहान शहर में मध्य दिसंबर 2019 से शुरू हुआ कोरोना वायरस अब तक 170 से ज्यादा देशों में पहुंच गया है, जिनमें मुख्यतः थाईलैंड ईरान इटली जापान सिंगापुर दक्षिण कोरिया ऑस्ट्रेलिया मलेशिया अमेरिका फ्रांस जर्मनी और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। इसके संक्रमण से मरने वाले लोगों की संख्या 11401 हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे महामारी घोषित कर दिया है। दुनिया भर की सरकारें कोरोना वायरस को लेकर लोगों को जागरूक करने पर ध्यान दे रही हैं। जानकारों का कहना है इसके संक्रमण को फैलने से रोककर ही इसे काबू में किया जा सकता है। इसके लक्षणों को पहचानकर ही कोरोना वायरस की बेहतर तरीके से रोकथाम की जा सकती है।

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ के महानिदेशक (तकनीकी) प्रो. भरत राज सिंह ने बताया कि लैटिन भाषा में कोरोना का अर्थ मुकुट होता है और इस वायरस के कणों के इर्द-गिर्द उभरे हुए कांटे जैसे ढांचों से इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी में मुकुट जैसा आकार दिखता है, जिस पर इसका नाम रखा गया

था। यह वायरस भी जानवरों से आया है। कोरोना वायरस का संबंध वायरस के ऐसे परिवार से है जिसके संक्रमण से जुकाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है। इस वायरस को पहले कभी नहीं देखा गया है। इस वायरस का संक्रमण दिसंबर में चीन के वुहान में शुरू हुआ था। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक बुखार खांसी सांस लेने में तकलीफ इसके लक्षण हैं। अब तक इस वायरस को फैलने से रोकने वाला कोई टीका नहीं बना है।

इस बीमारी के लक्षण : इसके लक्षण फ्लू से मिलते-जुलते हैं। संक्रमण के फलस्वरूप बुखार, जुकाम, सांस लेने में तकलीफ, नाक बहना और गले में खराश जैसी समस्या उत्पन्न होती है। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है इसलिए इसे लेकर बहुत सावधानी बरती जा रही है। कुछ मामलों में कोरोना वायरस घातक भी हो सकता है। खासतौर पर अधिक उम्र के लोग और जिन्हें पहले से अस्थमा



प्रो. भरत राज सिंह

डायबिटीज और हार्ट की बीमारी है।

बचाव के उपाय : विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सात आसान स्टेप्स बताए हैं जिनकी मदद से कोरोना वायरस को फैलने से रोका जा सकता है और खुद भी इसके इंफेक्शन से बचा जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय

ने कोरोना वायरस से बचने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं, इनके मुताबिक, हाथों को साबुन से धोना चाहिए। अल्कोहल आधारित हैंड रब का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। खांसते और छीकते समय नाक और मुंह रूमाल या टिशू पेंप से ढककर रखें। जिन व्यक्तियों में कोल्ड और फ्लू के लक्षण हों उनसे दूरी बनाकर रखें। अंडे और मांस के सेवन से बचें। जंगली जानवरों के संपर्क में आने से बचें।

पीएम ने कोरोना को मानवता के लिए खतरा घोषित किया

प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी ने भारतवर्ष में दिनांक 22 मार्च 2020 को जनता कर्फ्यू

जनता कर्फ्यू का वैज्ञानिक पहलू

जब कोई संक्रमित व्यक्ति खासता या छींकता है तो संक्रमित वायरस की बूंदें दूसरे के ऊपर पहुंच जाती हैं अथवा जिस स्थान पर वह बैठा है, उसपर एकत्रित हो जाती हैं और जब कोई अन्य व्यक्ति 10 घंटे के अंदर संपर्क में आ जाता है तो यह कोरोना वायरस उसमें भी पहुंच जाता है और संक्रमित कर देता है। यदि ऐसे व्यक्ति को अलग डिटेन्शन केन्द्र में रखा दिया जाता है। जहां से संक्रमण दूसरे में नहीं पहुंचता है और इम्यूनिटी के अनुसार मरीज कुछ 15.29 दिनों में ठीक हो जाता है। इसी चैन को तोड़ने के लिए पीएम मोदी ने भारत की जनता से आह्वान किया है कि सब लोग जनता कर्फ्यू लगाकर 14 घंटे अगर बाहर नानिकले और एक दूसरे से न मिले तो कोरोना वायरस के कण मर जायेंगे और इस पर शीघ्र ही नियंत्रण पाया जा सकता है। आइये अपने लिए परिवार के लिए अपने पड़ोसी, नाते-रिश्तेदार साथी-सहयोगी आदि के पूरी मानवता के लिए जनता कर्फ्यू को मनसा वाचा कर्मणा का भाव रखते हुए सफल बनाने में अपना योगदान दे। मानवता बचेगी, विश्व की चेतना बचेगी और आने वाली पीढ़ी भी मजबूत होगी।

घोषित कर दिया गया है। सभी माल, सिनेमा घर, दुकाने, धार्मिक स्थलों आवागमन के लिए ट्रेन, बस सेवा, पर्यटक स्थलो, शिक्षण संस्थानों, कार्यालयों आदि को बंद कर दिया गया है। नागरिकों से आवाहन किया है कि वह सुबह 7 बजे से शाम 9 बजे तक घरों से बाहर न निकले तथा सायं 5 बजे अपने-अपने घरों से बाहर दरवाजे के पास खड़े होकर ताली बजाकर

थाली बजाकर तथा सीटी बजाकर महामारी संक्रमण को दूर करने में दिन-रात लगे डॉक्टरों प्रसाशनिक अधिकारियों तथा कर्मियों आदि को उनके इस अथक प्रयास के लिए सम्मान प्रकट करें। इसके लिए भारत वर्ष के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने की और कई देशों से लगातार प्रशंसा मिल रही है।